



*Böjti közös igeolvasás a  
a Debreceni Református Kollégium  
Gimnáziumában*

*(2021. február 17- április 4.)*

*„A böjt azt jelenti, hogy az ember el mer fordulni magától azért, hogy sokkal intenzívebben odafordulhasson az Élő Isten vezetése felé, hogy az imádsága ne monológ, hanem dialóg legyen.” (Gyökössi Endre)*

<i>1. nap</i>	<i>Február 17. szerda</i>	<i>Márk 1,1-13 (1-8)</i>
<i>2. nap</i>	<i>Február 18. csütörtök</i>	<i>Márk 1,14-20</i>
<i>3. nap</i>	<i>Február 19. péntek</i>	<i>Márk 1,21-31 (21-28)</i>
<i>4. nap</i>	<i>Február 20. szombat</i>	<i>Márk 1,32-45</i>
<i>5. nap</i>	<i>Február 21. vasárnap</i>	<i>Márk 2,1-17</i>
<i>6. nap</i>	<i>Február 22. hétfő</i>	<i>Márk 2,18-28 (18-22)</i>
<i>7. nap</i>	<i>Február 23. kedd</i>	<i>Márk 3,1-12 (1-6)</i>
<i>8. nap</i>	<i>Február 24. szerda</i>	<i>Márk 3,13-19</i>
<i>9. nap</i>	<i>Február 25. csütörtök</i>	<i>Márk 3,22-30</i>
<i>10. nap</i>	<i>Február 26. péntek</i>	<i>Márk 3,31-35</i>
<i>☪</i>		
<i>11. nap</i>	<i>Február 27. szombat</i>	<i>Márk 4,1-20</i>
<i>12. nap</i>	<i>Február 28. vasárnap</i>	<i>Márk 4,21-33</i>
<i>13. nap</i>	<i>Március 1. hétfő</i>	<i>Márk 4,35-41</i>
<i>14. nap</i>	<i>Március 2. kedd</i>	<i>Márk 5,1-20 (1-8)</i>
<i>15. nap</i>	<i>Március 3. szerda</i>	<i>Márk 5,21-43 (25-34)</i>
<i>16. nap</i>	<i>Március 4. csütörtök</i>	<i>Márk 6,1-6</i>
<i>17. nap</i>	<i>Március 5. péntek</i>	<i>Márk 6,7-13</i>
<i>18. nap</i>	<i>Március 6. szombat</i>	<i>Márk 6,14-29</i>
<i>19. nap</i>	<i>Március 7. vasárnap</i>	<i>Márk 6,30-44</i>
<i>20. nap</i>	<i>Március 8. hétfő</i>	<i>Márk 6,45-53</i>
<i>21. nap</i>	<i>Március 9. kedd</i>	<i>Márk 7,1-23 (14-23)</i>
<i>22. nap</i>	<i>Március 10. szerda</i>	<i>Márk 7,24-37 (24-30)</i>

<i>23. nap</i>	<i>Március 11. csütörtök</i>	<i>Márk 8,1-10</i>
<i>24. nap</i>	<i>Március 12. péntek</i>	<i>Márk 8,11-21</i>
<i>25. nap</i>	<i>Március 13. szombat</i>	<i>Márk 8,22-26</i>
<i>26. nap</i>	<i>Március 14. vasárnap</i>	<i>Márk 8,27 - 9,1</i>
<i>27. nap</i>	<i>Március 15. hétfő</i>	<i>Márk 9,2-8</i>
<i>28. nap</i>	<i>Március 16. kedd</i>	<i>Márk 9,9-13</i>
<i>29. nap</i>	<i>Március 17. szerda</i>	<i>Márk 9,14-29 (20-29)</i>
<i>30. nap</i>	<i>Március 18. csütörtök</i>	<i>Márk 9,30-37</i>
<i>31. nap</i>	<i>Március 19. péntek</i>	<i>Márk 9,38-41</i>
<i>32. nap</i>	<i>Március 20. szombat</i>	<i>Márk 9,42-49</i>
<i>33. nap</i>	<i>Március 21. vasárnap</i>	<i>Márk 10,1-12</i>
<i>34. nap</i>	<i>Március 22. hétfő</i>	<i>Márk 10,13-16</i>
<i>35. nap</i>	<i>Március 23. kedd</i>	<i>Márk 10,17-27</i>
<i>36. nap</i>	<i>Március 24. szerda</i>	<i>Márk 10,28-31</i>
<i>37. nap</i>	<i>Március 25. csütörtök</i>	<i>Márk 10,32-34</i>
<i>38. nap</i>	<i>Március 26. péntek</i>	<i>Márk 11,35-45</i>
<i>39. nap</i>	<i>Március 27. szombat</i>	<i>Márk 11,46-52</i>
<i>40. nap</i>	<i>Március 28. virágvasárnap</i>	<i>Márk 11,1-11</i>
<i>41. nap</i>	<i>Március 29. hétfő</i>	<i>Márk 11,12-26 (15-19)</i>
<i>42. nap</i>	<i>Március 30. kedd</i>	<i>Márk 12, 1-12</i>
<i>43. nap</i>	<i>Március 31. szerda</i>	<i>Márk 14,1-11 (3-9)</i>
<i>44. nap</i>	<i>Április 1. nagycsütörtök</i>	<i>Márk 14,12-52 (17-25)</i>
<i>45. nap</i>	<i>Április 2. nagypéntek</i>	<i>Márk 14,53 - 15,41</i>
<i>46. nap</i>	<i>Április 3. nagyszombat</i>	<i>Márk 15,42-47</i>
<i>47. nap</i>	<i>Április 4. húsvétvasárnap</i>	<i>Márk 16,1-20</i>

*„Csak szemünket-fülünket böjtöltetve tudunk olykor-olykor lényünk alaphangjára hangolódni, hogy így megtudjuk, mi rejlik bennünk. Mit mond a csönd; Miről, kiről beszél lényünk mélye?”  
(Gyökössy Endre)*

